27 AUG 2019

दृष्टि The Vision

इतिहास (वैकल्पिक विषय)

द्वितीय प्रश्न-पत्र

(संपूर्ण पाठ्यक्रम)

निर्धारित समय: तीन घंटे
Time allowed: Three Hours

अधिकतम अंक: 250
Maximum Marks: 250

DTVF/19 (N-M)–M–**H14/6**

Name: Girdhari lal Meena

Mobile Number:

Medium (English/Hindi): Hindi

Reg. Number: AWAKE-19/E017

Center & Date: 27/08/2019

UPSC Roll No. *(If allotted)*: 0856006

प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:
इसमें आठ प्रश्न हैं जो दो खण्डों में विभाजित हैं तथा हिन्दी एवं अंग्रेजी भाषा में मुद्रित हैं।
परीक्षार्थी को कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर देने हैं।
प्रश्न संख्या 1 और 5 अनिवार्य हैं तथा बाकी में से प्रत्येक खण्ड से कम-से-कम एक प्रश्न चुनकर किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिये।
प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिये गए हैं।
प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहियें जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिये। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिये।
जहाँ आवश्यक हो, अपने उत्तर को उपयुक्त चित्रों/मानचित्रों तथा आरेखों द्वारा दर्शाएँ। इन्हें प्रश्न का उत्तर देने के लिये दिये गए स्थान में ही बनाना है।
प्रश्नों के उत्तरों की गणना क्रमानुसार की जाएगी। यदि काटा नहीं हो, तो प्रश्न के उत्तर की गणना की जाएगी चाहे वह उत्तर अंशतः दिया गया हो। प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:
*There are **EIGHT** questions divided in **TWO SECTIONS** and printed both in **HINDI & ENGLISH**.*
*Candidate has to attempt **FIVE** questions in all.*
*Questions no. 1 and 5 are compulsory and out of the remaining, any **THREE** are to be attempted choosing at least **ONE** from each section.*
The number of marks carried by a question/part is indicated against it.
Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (Q.C.A.) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.
Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.
Illustrate your answers with suitable sketches/maps and diagrams, wherever considered necessary. These shall be drawn in the space provided for answering the question itself.
Attempts of questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

प्र. सं. (Q.No.)	a	b	c	d	e	कुल अंक (Total Marks)	प्र. सं. (Q.No.)	a	b	c	d	e	कुल अंक (Total Marks)
1							5						
2							6						
3							7						
4							8						
						सकल योग (Grand Total)							

मूल्यांकनकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Evaluator (Signature)

पुनरीक्षणकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Reviewer (Signature)

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

खण्ड - क / SECTION - A

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

1. निम्नलिखित प्रत्येक का लगभग 150 शब्दों में उत्तर दीजिये: **5 × 10 = 50**

Answer the following in about 150 words each:

(a) "तीन कर्नाटक युद्धों में फ्राँसीसीयों की हार ने बंगाल में अनपेक्षित व महत्त्वपूर्ण परिणाम उपस्थित किये।" स्पष्टीकरण कीजिये।

"The defeat of the French in the three Carnatic Wars presented unexpected and significant results in Bengal." Elucidate.

राजनीतिक व व्यापारिक कारणों से फ्रांसीसियों व अंग्रेज़ों के मध्य तीन कर्नाटक युद्ध हुए जिनके द्वारा कर्नाटक, बंगाल के साथ-साथ भारत को भी प्रभावित किया।

कर्नाटक युद्ध
- प्रथम (1746-48)
- द्वितीय (1749-53)
- तृतीय (1757-63)

→ प्रथम कर्नाटक युद्ध में ~~फ्रांसीसी~~ फ्रांसीसी प्रभावी रहे तथा ~~मद्रास~~ संधि के माध्यम से यथास्थिति को स्वीकार किया गया। आगे द्वितीय कर्नाटक युद्ध में डूप्ले पराजित हुआ तथा क्लाइव के साथ-साथ अंग्रेज़ों का भी उदय हुआ।

परिणाम

① क्लाइव की विजय ने राजनीतिक हस्तक्षेप के माध्यम से आर्थिक लाभ लेने की प्रक्रिया की शुरुआत की तो डूप्ले की शक्ति का अवसान हो गया।

② क्लाइव द्वारा अब बंगाल में हस्तक्षेप किया गया तथा प्लासी के षडयंत्र (1757) के माध्यम से बंगाल को एक प्रायोजित व लूटा हुआ राज्य बना दिया।

③ आगे बक्सर (1764) के युद्ध व 1765 की इलाहाबाद की संधि के कारण अंग्रेज़ों की राजनीतिक व सैन्य क्षमता को

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

वैधता प्राप्त हो गई।

④ द्वैध शासन के माध्यम से बंगाल की राजनीतिक व आर्थिक दशा पर बिना किसी उत्तरदायित्व के नियंत्रण किया गया। इस कारण अंग्रेज़ों को व्यापार में लाभ हुआ।

⑤ बंगाल पर नियंत्रण करके दिल्ली की सत्ता को प्रत्यक्ष रूप से देखा जा सकता था क्योंकि बंगाल जैसे समृद्ध राज्य की लूट ने अंग्रेज़ों को इस योग्य बना दिया।

⑥ इसी आधार पर अंग्रेज़ों द्वारा मैसूर, मराठें व शेष भारतीय शक्तियों को पराजित कर भारतीय हथेली पर दासता लिख दी।

निष्कर्षतः कर्नाटक युद्धों, बंगाल पर अधिकार के माध्यम से सामने आये परिणाम भारत व अंग्रेज़ों के लिए अनपेक्षित थे लेकिन ये अंग्रेज़ों के लिए महत्वपूर्ण बन गये।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(b) 1818 ई. में अंग्रेजों का सर्वप्रधान शक्ति के रूप में स्थापित होना सालबाई की संधि का अवश्यंभावी परिणाम था। समीक्षा कीजिये।

The establishment of the British as the supreme power in the year 1818 was an inevitable outcome of the Treaty of Salbai. Examine.

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

अंग्रेज़ों द्वारा मराठों पर नियंत्रण करने के लिए तीन आंग्ल-मराठा युद्धों तथा सालबाई तथा बसीन की संधि के माध्यम से कार्य किया।

प्रथम आंग्ल-मराठा युद्ध (1775-82) के पश्चात 1782 में सालबाई की संधि की गई।

प्रावधान

① सालसेट तथा एलीफेन्टा के क्षेत्र अंग्रेज़ों को प्राप्त हुए।
② मराठा पेशवा, रघुनाथराव को पेंशन देगा।
③ माधवराव को पेशवा स्वीकार किया गया।
④ एक-दूसरे पर आक्रमण नहीं करेंगे तथा पारस्परिक सहयोग की भावना के आधार पर कार्य किया जायेगा।

समीक्षा

① प्रावधानों को देखने पर ऐसा नहीं लगता कि इस संधि से अंग्रेज़ों को लाभ हुआ। इस संधि का झुकाव तो मराठों की तरफ ही था।

② इस संधि के अंग्रेज़ों के लिए सकारात्मक प्रभाव भी थे –
↳ 1780-84 के मध्य अंग्रेज़ आंतरिक व बाह्य रूप से संकट की स्थिति में थे।
↳ इस संधि के माध्यम से मैसूर + मराठा + निज़ाम के

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

त्रिगुट को तोड़ने में सहायता मिली।

↳ इस संधि के कारण पश्चिम भारत के क्षेत्र में अंग्रेजों का हस्तक्षेप बढ़ा।

↳ यह किसी राजा के साथ संधि न होकर मराठा साम्राज्य के प्रमुख के साथ संधि थी।

↳ आगे द्वितीय आंग्ल मराठा युद्ध (1803-05) तथा बसीन की संधि (1802) के माध्यम से मराठों की आंतरिक नीति व विदेश नीति पर अधिकार कर लिया गया।

↳ सालबाई की संधि के कारण अंग्रेज़ अपनी स्थिति को संकट के समय भी सुदृढ़ कर सके तथा अंततः मराठों को पराजित किया।

निष्कर्षतः तृतीय आंग्ल मराठा युद्ध (1818) में सफलता व अंग्रेजों का सर्वप्रथम शक्ति के रूप में उदय होने में सालबाई की संधि का प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष योगदान है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(c) ब्रिटिश भारत में आधुनिक उद्योगों के सीमित विकास के कारणों पर प्रकाश डालिये।

Throw light on the reasons for limited development of modern industries in British India.

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

ब्रिटिश नीतियों के कारण परम्परागत भारतीय उद्योगों का पतन हो गया तथा आधुनिक उद्योगों का भी पूर्ण रूप से विकास नहीं हुआ तथा औद्योगिक विकास की प्रक्रिया बाधित हो रही।

सीमित विकास के कारण

① ब्रिटिश आर्थिक नीतियों तथा धन निकासी के कारण परम्परागत भारतीय उद्योगों का पतन हो गया।

② ब्रिटिश पूंजी औद्योगिक आवश्यकता आधारित जूट, बागान व कोयला क्षेत्र में लगी थी।

③ ब्रिटिश द्वारा औद्योगिक विकास के लिए पूंजी व तकनीक की उपलब्धता सुनिश्चित नहीं की गई।

④ रेलवे सम्बन्धित कलपुर्जे व जहाजों का निर्माण भी ब्रिटेन में ही किया जाता था।

⑤ भारतीयों के पास तकनीक व पूंजी की कमी थी। इस कारण वे औद्योगिक विकास में योगदान नहीं दे सके।

⑥ भारत में ब्रिटिश शिक्षा नीति भी औद्योगिक हितों से परिचालित थी। इस कारण विज्ञान व तकनीक आधारित शिक्षा को बढ़ावा नहीं दिया गया तथा शिक्षा साम्प्रदायिक्ता

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

को ही पोषित कर रही थी।

⑦ राष्ट्रवादी नेताओं के दबाव तथा सीमित भारतीय पूँजी के आधार पर कुछ उद्योगों का विकास हुआ। 1853 में प्रथम सूती मिल की स्थापना कावसजी द्वारा पश्चिमी भारत में की गई। टाटा स्टील कम्पनी, सिंधिया जलयान उद्योग तथा बिरला द्वारा सीमित औद्योगिक विकास किया गया।

⑧ स्वदेशी आंदोलन के समय पर रसायनिक उद्योगों, भविष्य निर्माण उद्योगों की स्थापना हुई।

निष्कर्षतः ब्रिटिश शोषण आधारित नीतियों के कारण भारत का औद्योगिक विकास बाधित रहा तथा यह कमजोरी वर्तमान में भी भारतीय अर्थव्यवस्था को बाधित कर रही है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(d) 19वीं सदी का भारतीय साहित्य भाषागत विभिन्नता के बावजूद स्वतंत्रता आंदोलन के प्रति भावनाओं एवं विचारों की व्यापक एकात्मकता दर्शाता है। विवेचना कीजिये।

Indian literature of 19th century shows widespread unity of sentiment and ideas towards the freedom movement despite the linguistic differences. Discuss.

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

औपनिवेशिक काल में स्वतंत्रता की अभिव्यक्ति विभिन्न संगठनों के निर्माण के साथ-साथ स्वदेशी साहित्य के विकास के माध्यम से भी हुई।

19वी सदी का साहित्य भाषागत विभिन्नता की स्थिति से युक्त था।

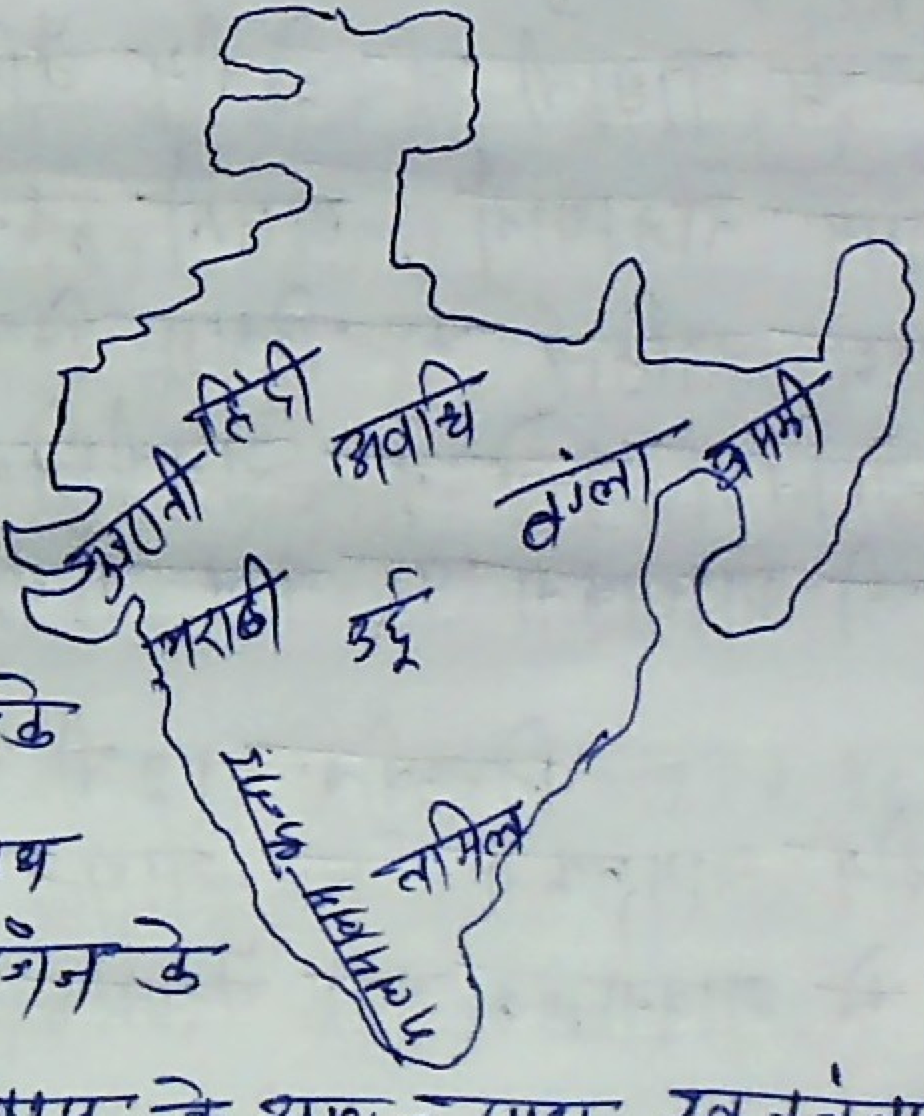

① बंगला साहित्य के अंतर्गत रविन्द्रनाथ टैगोर, दक्षिणा रंजन के द्वारा भाषायी विकास के साथ-साथ स्वतंत्रता आंदोलन को समर्थन की बात की। रविन्द्रनाथ टैगोर के द्वारा राष्ट्रीय आंदोलन को मानसिक सहयोग दिया गया।

② हिंदी साहित्य में भारतेन्दु हरिश्चन्द्र के द्वारा स्वतंत्रता की आवश्यकता पर दिया तो दयानंद सरस्वती की सत्यार्थ प्रकाश (1875) के तहत स्वराज, स्वतंत्रता व

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

स्वदेशी की आवश्यकता पर बल दिया।
③ उर्दू साहित्य का भी विकास हुआ तथा इकबाल द्वारा "सारे जहाँ से अच्छा.....", की रचना ने तो स्वतंत्रता आंदोलन को जोश से भर दिया।
④ गुजराती साहित्य के तहत समाज की दशा, ब्रिटिश शोषण को उजागर कर स्वतंत्रता की आवश्यकता पर बल दिया गया।
⑤ तमिल क्षेत्र में सुब्रह्मण्यम स्वामी द्वारा स्वतंत्रता आंदोलन का भाषायी व क्षेत्रीय वैविध्यकरण किया।
⑥ इसी समय राजस्थानी, असमी, कन्नड़, मलयालम तथा मराठा साहित्य का विकास किया गया गया। महात्मा ज्योतिबा फुले ने राजनीतिक व सामाजिक स्वतंत्रता की आवश्यकता पर बल दिया।

निष्कर्षतः 19वीं सदी के साहित्य द्वारा राष्ट्रीय जागरूकता के साथ-साथ स्वतंत्रता आंदोलन को भावनात्मक तथा वैचारिक रूप से सहयोग दिया।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(e) औपनिवेशिक घेरे में आदिवासी क्षेत्रों का सम्मिलन 19वीं सदी के आरंभिक दौर के जनजातीय विद्रोहों का प्रमुख कारण था। स्पष्टीकरण कीजिये।

The coalition of tribal areas in the colonial boundary was the primary cause of the tribal revolt of the early 19th century. Elucidate.

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

औपनिवेशिक सत्ता के द्वारा भारत के क्रमिक समामेलन के लिए विभिन्न नीतियों का निर्माण किया तथा इनमें से घेरे की नीति (1757-1813) भी प्रमुख थी।

इस नीति के तहत सामान्यतः भारतीय राजनीतिक व सामाजिक मामलों में हस्तक्षेप नहीं किया गया लेकिन इस अहस्तक्षेप की भी सीमा थी।

(1) खोंड जनजाति की बलिप्रथा को अमान्य घोषित कर उसका समामेलन किया गया।

(2) इस तरह छोटा नागपुर क्षेत्र में विद्यमान अन्य जनजातियों के आंतरिक मामलों में भी हस्तक्षेप किया गया।

(3) पाइका विद्रोह (1817) का प्रमुख कारण यह था कि अंग्रेजों द्वारा इनकी सामाजिक व्यवस्था में हस्तक्षेप किया गया तथा स्वतंत्र स्थिति को बाधित किया गया।

(4) आदिवासी क्षेत्रों के समामेलन के कारण इन क्षेत्रों में अंग्रेजों का हस्तक्षेप बढ़ा। आदिवासियों की सामुदायिक स्वामित्व, झूम खेती तथा बलिप्रथा पर नियंत्रण किया गया।

(5) साथ ही भू राजस्व नीतियों के कारण भी जनजातीय क्षेत्रों

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

मे बाहरी लोगों का प्रवेश हुआ।

⑥ राजनीतिक अधिकार के कारण प्रशासनिक व सैन्य हस्तक्षेप में भी वृद्धि हुई। इस कारण जनजातियों द्वारा विद्रोह किया गया।

विद्रोह के अन्य कारण
- आर्थिक शोषण
- मिशनरियों की गतिविधियाँ
- प्रशासनिक व सैन्य हस्तक्षेप
- सामाजिक-सांस्कृतिक हस्तक्षेप

⑦ इन सम्मिलित कारणों के कारण छोटा नागपुर तथा पूर्वोत्तर भारत में विभिन्न विद्रोह सामने आये।

निष्कर्षत: आदिवासी विद्रोहों का मुख्य कारण राजनीतिक समामेलन था जिसे अन्य कारणों ने भी पूरकता प्रदान की।

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

2. (a) सामंती व्यवस्था का अंत कर सिखों का एक राष्ट्रीय राजतंत्र के रूप में संगठन करने का श्रेय रणजीत सिंह को जाता है। विवेचना कीजिये। 20

The credit of organizing the Sikhs into a national monarchy by ending the feudal system goes to Ranjit Singh. Discuss. 20

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

3. (a) क्या आप इस मत से सहमत हैं कि भारत में यदि अंग्रेजी शिक्षा का अस्तित्व न होता तो भारतीय राष्ट्रवाद का जन्म संभव नहीं था। समुचित तर्कों के माध्यम से अपने मत को प्रमाणित करें। 15

Do you agree with the view that the birth of Indian nationalism would not have been possible if English education had not existed in India. Substantiate your view through appropriate arguments. 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

औपनिवेशिक इतिहास लेखन के वक्त मैलेसन, मोरिस -मी-मोरिस के द्वारा कहा गया कि भारतीय राष्ट्रवाद ब्रिटिश शिक्षा नीति का परिणाम था।

① अंग्रेजों का मानना था कि भारत में राष्ट्र की अवधारणा का विकास नहीं हुआ था।

② भारत सामाजिक व राजनीतिक आधार पर विखण्डित था।

③ ब्रिटिश अंग्रेज़ी शिक्षा नीति के कारण यूरोपीय ज्ञान भारतीयों तक पहुँचा तथा इसके कारण स्वतंत्रता, राष्ट्रवाद जैसे आधुनिक विचारों का प्रसार हुआ।

④ यदि अंग्रेज़ी शिक्षा नहीं होती तो भारतीय राष्ट्रवाद का विकास नहीं हो पाता तथा भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन सामने नहीं आता

विपक्ष में तर्क

① राष्ट्रवादी विचारकों यथा हेमचन्द्राकर, भण्डारकर व यू. एन. घोषाल का मानना है कि भारत पहले से ही एक राष्ट्र था।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

② चन्द्रगुप्त मौर्य व अशोक के समय भारतीय राष्ट्र की अवधारणा व्यापक थी।

③ अंग्रेजी शिक्षा ने भारतीयों मे राष्ट्रवाद के विकास के बजाय भारतीयों को विभाजित किया।

④ अंग्रेजी शिक्षा ने शिक्षित बेरोजगारी, अशिया व भारत का विभाजन तथा साम्प्रदायिकता को पैदा किया।

⑤ अंग्रेजी शिक्षा भारतीयों को शिक्षित करने के बजाय अंग्रेजों की औपनिवेशिक दृष्टि से परिचालित थी।

⑥ भारतीय राष्ट्रवाद का विकास सामाजिक-धार्मिक सुधार आंदोलन व प्राचीन भारत की प्रेरणा के आधार पर हुआ था।

⑦ भारतीय राष्ट्रवाद की प्रेरणा वैदिक साहित्य व अन्य साहित्यों के माध्यम से विद्यमान थी।

समीक्षा

① ब्रिटिश अंग्रेजी शिक्षा नीति के कारण भारतीयों का आधुनिक विचारों से परिचय हुआ।

② भारतीय राष्ट्रवाद, स्वतंत्रता तथा अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के विचारों से अवगत हुए।

③ प्राचीन विचारों को जानने में भी ब्रिटिश

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

शिक्षा नीति सहायक हुई।
(5) भारतीय मध्यवर्ग का विकास हुआ जिसने राष्ट्रीय आंदोलन को नेतृत्व प्रदान किया।

निष्कर्षतः ब्रिटिश अंग्रेज़ी शिक्षा नीति भारतीय राष्ट्रवाद को बढ़ावा देने के बजाय औपनिवेशिक हितों से परिचालित थी लेकिन इसके द्वारा भारतीय हितों में कुछ सकारात्मक परिणाम भी पैदा किये।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(b) "भारत में ब्रिटिशों द्वारा राजनैतिक सर्वोच्चता को स्थापित करने की यात्रा एक क्रमिक विकास की प्रक्रिया थी।" देशी रियासतों पर आधिपत्य स्थापित करने की ब्रिटिश बहुचरणीय नीति के आलोक में उपरोक्त कथन का परीक्षण करें। 20

"The journey of the British to establish political supremacy in India was a process of gradual development". Examine the above statement in the light of the British multiphase policy of establishing empire over the princely states. 20

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

भारत पर ब्रिटिश नियंत्रण को लेकर विभिन्न मत हैं। एक मत के अनुसार अंग्रेज़ों ने भारतीयों को बेखबरी में ही जीत लिया तो दूसरे मत के अनुसार ब्रिटिश की भारत विजय सुनियोजित नीतियों का परिणाम थी।

क्रमिक विकास

- घेरे की नीति (1757-1813)
- अधीनस्थ पृथक्करण (1813-1857)
- अधीनस्थ संघ (1857 के बाद)
- समान संघ की नीति (1935)

① सर्वप्रथम अंग्रेज़ों के द्वारा घेरे की नीति का पालन किया। इस समय कुछ मात्रा में युद्धों का भी सहारा लिया गया। मैसूर के साथ तीन युद्ध व प्रथम आंग्ल-मराठा युद्ध इसी नीति पर आधारित था। इस समय लॉर्ड वैलेजली के द्वारा आंतरिक व बाह्य परिस्थितियों के कारण अप्रत्यक्ष नियंत्रण की सहायक संधि प्रणाली लागू की।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

② आगे औद्योगिक क्रांति की आवश्यकता से परिचालित होकर राजनीतिक विस्तार किया गया। अब मराठा साम्राज्य का अधिग्रहण किया गया तो डलहौजी का समय तो पूर्ण दोपहरी का काल था।

③ इस समय डलहौजी के द्वारा युद्ध, कुशासन व गोद निषेध प्रणाली के माध्यम से देशी राज्यों का अधिग्रहण किया।

④ 1857 तक ब्रिटिश विस्तार प्राकृतिक सीमाओं को प्राप्त कर चुका था।

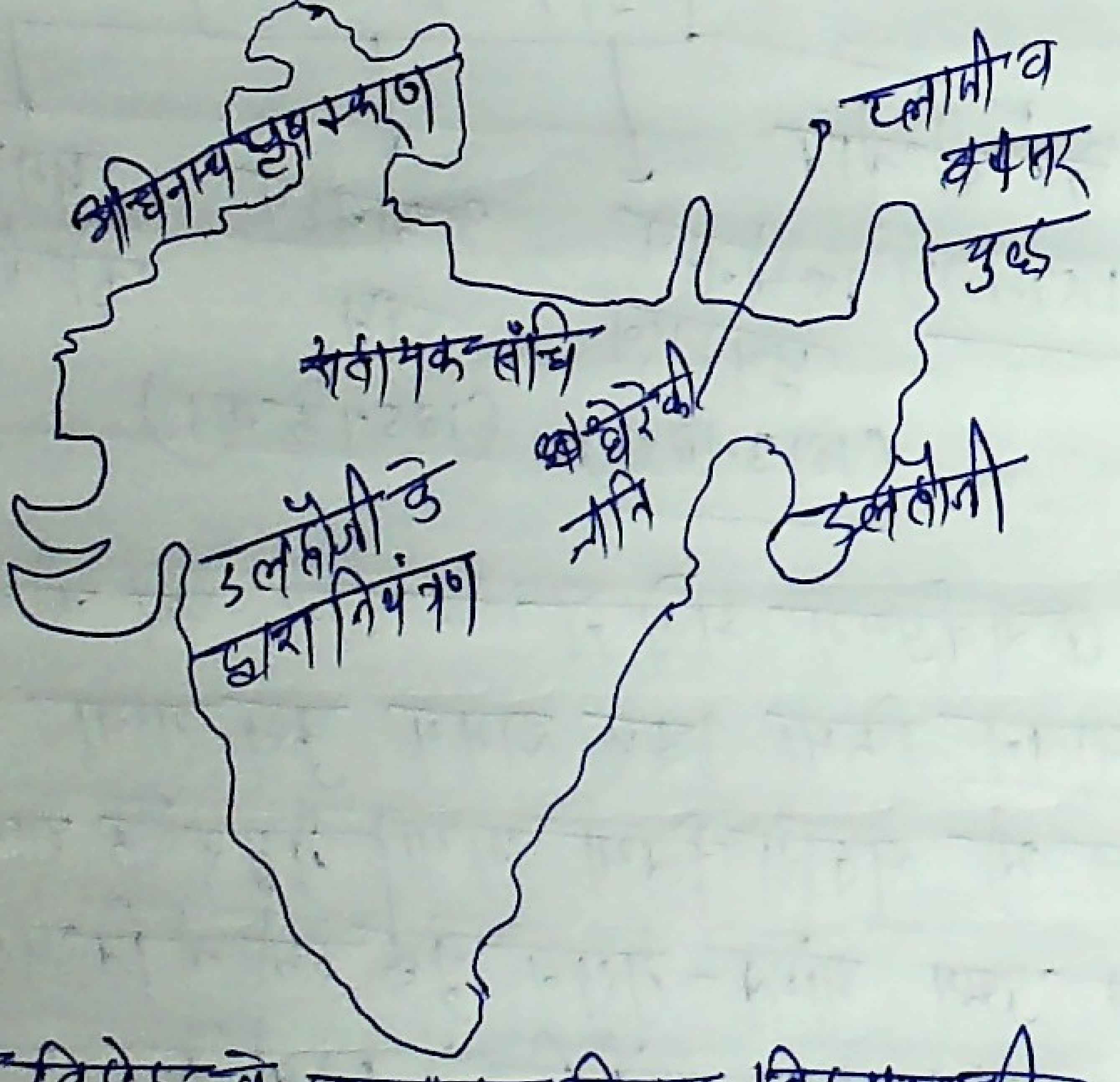

⑤ 1857 के विद्रोह के पश्चात विलय-विस्तार की नीति को रोक दिया गया तथा संघ निर्माण की योजना प्रस्तुत की गई। 1935 के अधिनियम के

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

माध्यम से समान संघ की नीति सामने आयी।

③ भारत पर ब्रिटिश नियंत्रण कई चरणों की रणनीति है जिसके तहत श्वेत नस्ल के भार, उपयोगितावाद, सहायक संधि जैसी नीतियों का सहारा लिया गया।

निष्कर्षतः भारत पर ब्रिटिश नियंत्रण व्यापारिक लाभ के लिए राजनीतिक नियंत्रण की क्रमिक प्रक्रिया से संचालित था जिसे भारतीय परिस्थितियों ने उद्दीपन प्रदान किया।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(c) "भारत में ब्रिटेन की प्रगति का इतिहास अकालों की तीव्रता का इतिहास है।" विवेचना कीजिये। 15

"The history of progress of Britain in India is the history of the intensity of famines." Discuss. 15

मार्क्सवादी इतिहासकारों ने ब्रिटिश शोषणकारी नीतियों को उजागर किया तथा बताया कि ब्रिटिश नीतियों का अंतिम परिणाम अकाल था।

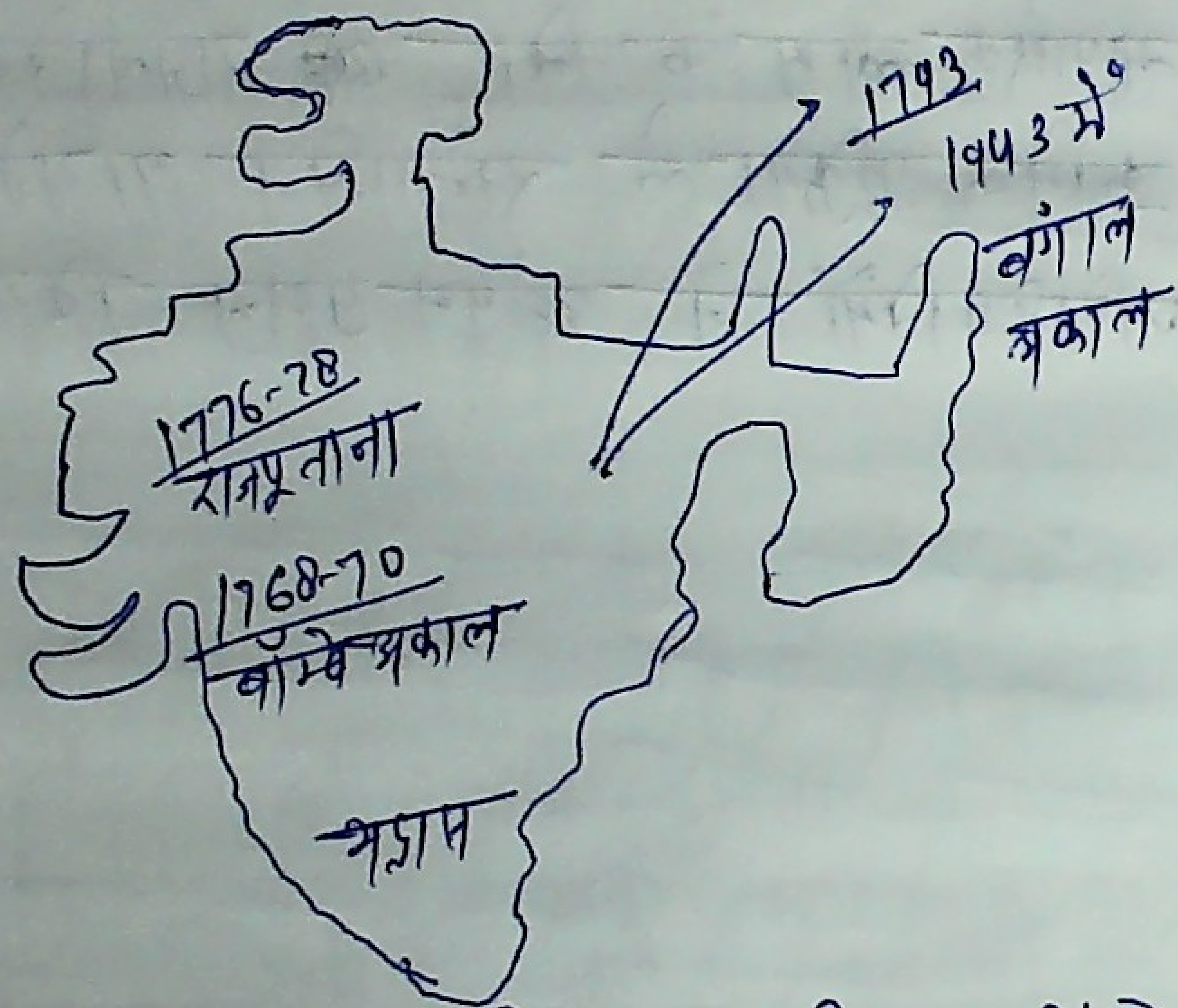

कम्पनी के समय अकाल प्राकृतिक कारणों के साथ-साथ मानवीय कारणों से अधिक परिचालित थे। 1757-1858 के मध्य कई अकाल सामने आये। 1776-78 के समय राजपूताना क्षेत्र का अकाल भयंकर था। 1768-70 के समय बॉम्बे, मद्रास व दक्षिणी भारत के अन्य क्षेत्रों में भी अकाल सामने आया। बंगाल तो ब्रिटिश शासन की स्थापना

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

के साथ ही अकालों का केन्द्र बन गया।

आगे क्राउन के समय भी अकालों की तीव्रता बढ़ती गयी। 1901-1945 के मध्य अकाल के कारण भारत मे 2.88 करोड़ लोगों की अकाल मृत्यु हो गई। इन अकालों ने खाद्यान्न संकट व महामारी को बढ़ावा दिया। 1943-45 के समय बंगाल का अकाल तो औपनिवेशिक शासन के समय का सबसे भयंकर अकाल था। इसी के कारण वुडहेड आयोग की स्थापना भी की गई।

मूल कारण

① ब्रिटिश भू राजस्व नीतियों, कृषि के वाणिज्यकरण के कारण कृषक महाजनों, साहूकारों के चंगुल में फँस गया। इस कारण अकालों की तीव्रता सामने आयी।

② कृषि के साथ-साथ हस्तशिल्पों का भी पतन हो गया तथा ग्रामीण निर्धनीकरण को बढ़ावा मिला।

③ अकाल के समाधान के लिए प्रभावी उपाय नहीं किये गए तथा स्ट्रैची आयोग की सिफारिशों को नहीं माना गया।

④ रेलवे तथा धन की निकासी ने भारतीय अर्थव्यवस्था के ग्रामीणीकरण के साथ-साथ अकालों की तीव्रता को बढ़ा दिया।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(5) ब्रिटिश दोषपूर्ण शासन तथा वणिकवादी नीतियों के कारण अकालों की तीव्रता बढ़ती गई।

निष्कर्षतः यह कहना अतिशयोक्ति नहीं है कि "भारत में ब्रिटेन की प्रगति का इतिहास अकालों की तीव्रता का इतिहास है"

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

4. (a) क्या आप इस मत से सहमत हैं कि ब्रिटिश उपयोगितावाद की विचारधारा भारत में ब्रिटिश साम्राज्य के औचित्य को सिद्ध करने का उपकरण मात्र थी? 20

Do you agree with the view that the ideology of British utilitarianism was merely a tool to prove the purpose of the British Empire in India? 20

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

भारत पर ब्रिटिश नियंत्रण को औचित्य प्रदान करने के लिए विभिन्न नीतियों का सहारा लिया गया तथा इन नीतियों में उपयोगितावाद भी शामिल है।

उपयोगितावाद

उपयोगितावाद का विकास ब्रिटेन में हुआ तथा इसके तहत अधिकतम व्यक्तियों के अधिकतम सुख की बात की जाती है। यूरोप में बेंथम तथा मिल द्वारा इस नीति को प्रतिपादित किया गया। भारत में भी इस नीति के आधार पर शासन का संचालन किया गया।

कार्य

(1) रैय्यतवाड़ी व्यवस्था उपयोगितावाद से परिचालित थी। इस व्यवस्था के तहत ब्रिटिश साम्राज्य को अधिक आय प्राप्त हुई तो किसानों की स्वतंत्रता की आदर्शवादी धारणा भी जारी रही। इस आधार पर यह यह ब्रिटिश औचित्य को ही सिद्ध करती है।

(2) उपयोगितावादी विचारधारा के तहत श्वेत मनुष्य के भार के सिद्धांत के आधार पर कार्य किया गया। शिक्षा नीति लागू की गई। इसके माध्यम

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

से बताया गया कि ब्रिटिश शासन भारतीयों के हित में है
③ उपयोगितावाद के कारण भारतीय समाचार पत्रों से प्रतिबंध हटाया गया तथा अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को सैद्धांतिक आधार पर मजबूती प्रदान की गई। इस तरह यह नीति भी ब्रिटिश शासन को औचित्य प्रदान करती है।
④ ब्रिटेन की तरह कानून के शासन तथा कानून के समक्ष समानता की बात की गई। बैंटिक के समय न्याय व्यवस्था को प्रतिशोधात्मक होने के बजाय सुधारात्मक बनाया गया।
⑤ न्याय तक पहुँच में भारतीयों को शामिल करने के लिए न्यायालयों की स्थापना व स्थानीय भाषा का प्रयोग किया गया।
⑥ बैंटिक के समय सती प्रथा, दास प्रथा से सम्बन्धित सुधार भी किये गये। ये सुधार भी श्वेत व्यक्ति के भार के सिद्धांत के आधार पर किये गये।
⑦ विधि का संहिताकरण व प्रशासन में भारतीयों को शामिल करने का विचार भी भारतीयों के हितों के बजाय शासन की वैधता के आधार पर ही परिचालित थी।
इस नीति ने भारतीय समाज में°

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

सुधार भी किये तथा यह केवल ब्रिटिश साम्राज्य के औचित्य से आगे बढ़ गई।

लाभ
- → ग्राम तक पहुँच
- → स्त्री सुधार प्रभावी
- → राष्ट्रीय जागरूकता (सामाजिक-धार्मिक सुधार आंदोलन)
- → अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता तथा पत्र-पत्रिकाओं का विकास
- → नेतृत्वकारी शिक्षित मध्य वर्ग का विकास

निष्कर्षतः उपयोगितावाद की विचारधारा चाहे ब्रिटिश साम्राज्य के औचित्य, श्वेत नस्ल के भार की धारणा से परिचालित हो लेकिन इसके कई सकारात्मक परिणाम भी सामने आये।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(b) क्या आप इस मत से सहमत हैं कि भारत में ब्रिटिश नीतियों ने अर्थव्यवस्था के अधिकाधिक ग्रामणीकरण को ही बढ़ावा दिया? 15

Do you agree with the view that British policies in India only encouraged at most ruralization of the economy? 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

भारत में ब्रिटिश नीतियाँ अंग्रेज़ों के हितों के कारण परिचालित थी जिनके कारण भारत पर ज़्यादातर नकारात्मक परिणाम ही सामने आये।

ब्रिटिश नीतियाँ

- राजनीतिक नियंत्रण
- आर्थिक नीतियाँ
- प्रशासनिक
- सामाजिक / शिक्षा नीति
- धार्मिक नीति

ग्रामीणीकरण को बढ़ावा

① ब्रिटिश आर्थिक नीतियों ने भारतीय ग्रामीणीकरण को बढ़ावा दिया। ब्रिटिश भू राजस्व नीति के कारण कृषि का पतन हो गया तथा ग्रामीण क्षेत्र में लोग गरीबी व अकाल से पीड़ित हो गये।

② कृषि के वाणिज्यकरण के कारण भारतीय उत्पाद विश्व बाजार से जुड़ गए लेकिन भारतीय अभी भी अधिकांश मात्रा में गांवों में ही निवास करते थे।

③ धन की निकासी तथा रेलवे के कारण भारतीय अर्थव्यवस्था का पतन हो गया तथा नगरीय विकास के लिए संसाधनों की कमी थी।

④ ब्रिटिश राजनीतिक विस्तार किया गया लेकिन

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

शहरों का विकास नहीं हुआ। इसी कारण ग्रामीण आवश्यकताओं से परिचालित प्रशासनिक व सैन्य नीतियों का निर्माण किया गया।

(5) ब्रिटिश शिक्षा नीति भी महँगी तथा भेदभावमूलक थी। इस कारण शहरी मध्यवर्ग को लाभ मिला तथा ग्रामीण क्षेत्र में पूर्ववर्ती दशा जारी रही।

(6) ब्रिटिश काल में पहले के शहरों का भी पतन हो गया तथा नवीन शहरों का तीव्र विकास नहीं हुआ।

(6) कृषि पिछड़ी थी। इस कारण नगरीकरण के लिए आवश्यक अधिशेष की स्थिति सामने नहीं आयी।

(7) इन सब नीतियों के परिणामस्वरूप भारत का ग्रामीण व शहरी विभाजन बना रहा तथा 1931 तक केवल 10% लोग ही शिक्षित थे जो शहरों में रहते थे।

शहरों का विकास

(1) ब्रिटिश निर्यात व अन्य नीतियों के कारण दिल्ली, मुम्बई, चेन्नई जैसे शहरों का सीमित विकास हुआ।

(2) इस कारण बैंकिंग व्यवस्था, हुण्डी व्यवस्था का भी मुम्बई व अन्य क्षेत्रों में सीमित विकास हुआ।

(3) सीमित मात्रा में भारतीय अर्थव्यवस्था का वैश्विक अर्थव्यवस्था से जुड़ाव हुआ तथा शहरी

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

अर्थव्यवस्था का विकास हुआ।

निष्कर्षतः ब्रिटिश नीतियों की शोषणकारी प्रवृत्ति के कारण भारत व भारतीय अर्थव्यवस्था का ग्रामीणीकरण हुआ तथा इस कारण भारत पिछड़ गया।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

(c) "भारत में हस्तशिल्प उद्योग का पतन ब्रिटिश नवजात उद्योगों को संरक्षण प्रदान करने तथा कर-नीति में राज्य के हस्तक्षेप का प्रतिफल था।" स्पष्टीकरण कीजिये। 15

"The decline of the handicraft industry in India provided protection to the British nascent industries and was the result of the state's interference in tax policy." Explain. 15

भारत में औपनिवेशिक शासन के दौरान परम्परागत हस्तशिल्प उद्योगों का पतन हो गया तथा नवीन उद्योगों का विकास भी नहीं हुआ।

उद्योगों के पतन का कारण

(1) औद्योगिक क्रांति की आवश्यकता के कारण मुक्त व्यापार की नीति लागू की गई। इस नीति के कारण भारतीय बाजार का दोहन किया गया तथा कच्चे माल का निर्यात किया गया।

(2) ब्रिटिश उद्योगों को संरक्षण प्रदान करने के लिए विनिमय प्रणाली व बैंकिंग संस्थाओं का प्रयोग किया।

(3) राजनीतिक संरक्षण के अभाव तथा हस्तशिल्पों के उपभोक्ता वर्ग में कमी (शिक्षा नीति के कारण) के कारण भी हस्तशिल्पों का पतन हो गया।

(4) ब्रिटिश नवजात उद्यमों के उत्पादों को ग्रामीण भारत तक पहुँचाया गया।

(5) रेलवे की माल-भाड़ा दरें भी इसी नीति पर आधारित थी। इस कारण भारतीय उत्पादों का आंतरिक बाजार छिन गया।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(6) ब्रिटिश करनीति के कारण भी हस्तशिल्पों का पतन हो गया। भू राजस्व नीति के कारण कृषि का पतन हो गया। इस कारण हस्तशिल्प उद्योगों के लिए कच्चे माल व खरीददार वर्ग में कमी आयी।

(7) ब्रिटिश सीमा शुल्क भी भारतीय हस्तशिल्पों के प्रतिकूल था। आयात पर शुल्क को खत्म किया गया तो निर्यात पर शुल्क बढ़ा दिया गया। इस कारण भारतीय हस्तशिल्पों का बाह्य बाजार भी पहुँच से दूर हो गया।

(8) अंग्रेजों द्वारा हस्तशिल्पों पर विभिन्न करों का आरोपण किया तथा बाजार पर भी शुल्क लगाया।

(9) इन सब कारणों से हस्तशिल्पों का पतन हो गया। ग्रामीण क्षेत्र में कृषि भी लाभदायक नहीं रही तथा इसके परिणामस्वरूप ग्रामीण गरीबी, अकाल सामने आये।

(10) भारत में ब्रिटिश पूँजी आवश्यकता के आधार पर कुछ सीमित क्षेत्रों में ही लगाई गई थी जो भारतीय औद्योगिक विकास के लिए सक्षम नहीं थे। इस कारण भी भारत में आधुनिक उद्योगों का विकास नहीं हो सका।

(11) हस्तशिल्पों के पतन में कर नीति व संरक्षणवादी

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

प्रवृत्ति के साथ-साथ शिक्षा नीति सामान्य का विस्तार व भारतीयों की बदलती वैचारिक दृष्टि भी सहायक थी।

निष्कर्षत: ब्रिटिश नीतियों के कारण भारत औद्योगिक रूप से पिछड़ गया तथा यह प्रवृत्ति वर्तमान में भी जारी है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

खण्ड - ख / SECTION - B

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

5. निम्नलिखित प्रत्येक का लगभग 150 शब्दों में उत्तर दीजिये: 5 × 10 = 50

Answer the following in about 150 words each:

(a) "कांट का नैतिक स्वतंत्रता पर अत्यधिक जोर व्यक्तिवाद के संदर्भ में उसके विचारों में विरोधाभास को अभिव्यक्त करता है।" स्पष्टीकरण कीजिये।

"Kant's greater emphasis on moral freedom expresses a contradiction in his ideas in the context of individualism." Elucidate.

कांट एक प्रबोधन कालीन जर्मन विचारक था जिसके द्वारा नैतिक स्वतंत्रता के साथ- साथ मनुष्य के संबंधों, नैतिक आधारित विकास पर विचार प्रकट किए गये।

कांट के विचार

① कांट के द्वारा व्यक्ति की नैतिक स्वतंत्रता पर जोर दिया तो नैतिकता की सार्वभौमिकता का सिद्धांत भी प्रकट किया।

② कांट के अनुसार व्यक्ति को प्रत्येक परिस्थिति में नैतिक होना चाहिए। नैतिकता समय व काल से परे की चीज है।

③ कांट का मानना है कि व्यक्ति नैतिकता के समुच्चयों का एक अंग है।

④ इस तरह कांट एक तरफ तो व्यक्तिवाद का समर्थन कर रहा है तथा दूसरी तरफ व्यक्ति पर नियंत्रण भी आरोपित करता है।

⑤ कांट के अनुसार व्यक्ति को कार्य करते रहना चाहिए। परिणामनिरपेक्षवाद पर आधारित सिद्धांत के

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

अनुसार फल की इच्छा नहीं करनी चाहिए।

⑥ कांट की नैतिकता समूह आधारित है न कि व्यक्ति आधारित।

⑦ कांट के अनुसार व्यक्ति को ऋण अदायगी, परिवार के दायित्वों के पालन जैसे बाहरी दबाव नैतिक बनाते हैं।

⑧ कांट व्यक्तिवाद तथा सामाजिक व्यवस्था व नैतिक स्वतंत्रता के मध्य संतुलन स्थापित करने का प्रयास करता है।

निष्कर्षत: कांट की नैतिकता समय व स्थितियों के बंधन के बावजूद व्यक्ति आधारित नैतिकता का समर्थन करती है।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(b) वैधता के सिद्धांत को स्थापित करने में 'थर्ड इस्टेट' की लोकतांत्रिक कार्रवाई की भूमिका को स्पष्ट कीजिये।

Explain the role of 'Third Estate' democratic action in establishing the principle of legitimacy.

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

फ्रांस में क्रांति को आगे बढ़ाने तथा क्रांति आधारित सिद्धांतों को वैधता प्रदान करने में थर्ड स्टेट की प्रभावी भूमिका थी।

भूमिका

① थर्ड स्टेट के द्वारा सामाजिक व आर्थिक समानता स्थापित करने के लिए क्रांति की।

② थर्ड स्टेट के द्वारा सामंतवाद के साथ-साथ अनैतिकता पर आधारित चर्च व्यवस्था का भी उन्मूलन किया।

③ तृतीय स्टेट के द्वारा किसानों, महिलाओं तथा मजदूरों को सम्मिलित कर फ्रांस की क्रांति को लोकतांत्रिक स्वरूप प्रदान किया।

④ तृतीय स्टेट के द्वारा संविधान निर्माण में भागीदारी के माध्यम से वैधता का सिद्धांत स्थापित किया।

⑤ तृतीय स्टेट ने संविधान में मताधिकार तथा प्रतिनिधित्व आधारित राजनीतिक प्रणाली का निर्माण किया।

⑥ इससे पूर्व प्रथम व द्वितीय स्टेट ही राजनीतिक कार्यवाहियों में प्रभावी भूमिका का निर्वहन करते थे।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

⑦ तृतीय स्टेट के द्वारा इस वर्ग की मांगों को राजनीतिक सहयोग प्रदान कर वैधता प्रदान की।

⑧ तृतीय स्टेट के द्वारा लोकतांत्रिक कार्रवाई के तहत आरंभ से निरंकुश राजतंत्र के पतन में योगदान दिया तथा क्रांति के अगले चरण में संवैधानिक राजतंत्र की स्थापना की गई।

निष्कर्षतः संविधान व अन्य लोकतांत्रिक गतिविधियों के माध्यम से कुछ मध्यवर्गीय स्वरूप आधारित कमियों के बावजूद तृतीय स्टेट द्वारा विभिन्न वर्गों के हितों को वैधता प्रदान की।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(c) इंग्लैंड की औद्योगिक क्रांति में वहाँ होने वाली 'कृषि क्रांति' के योदान पर प्रकाश डालिये।

Throw light on the contribution of the 'Agricultural Revolution' that took place there at the time of the Industrial Revolution in England.

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

इंग्लैण्ड में 17-18 वीं शताब्दी में उत्पादन की पद्धतियों में आये परिवर्तनों से विश्व पर पड़ने वाले आर्थिक, राजनीतिक व सामाजिक प्रभावों को सामूहिक रूप से औद्योगिक क्रांति माना जाता है।

औद्योगिक क्रांति सर्वप्रथम इंग्लैण्ड में हुई तथा इसमें वहाँ की "कृषि क्रांति" का विशेष योगदान था।

① जेथ्रो टल के द्वारा सीड ड्रिल मशीन का निर्माण किया गया। इस कारण बीजों को कम समय में अधिक क्षेत्र में बोया जा सका।

② आगे इस प्रणाली में सुधार किया गया तथा उत्पादन, संग्रहण व विपणन की व्यवस्था में सुधार किया गया।

③ फसल चक्रण व जलवायु आधारित फसलों के उत्पादन पर बल दिया गया।

④ कृषि क्रांति के कारण इंग्लैण्ड में खाद्यान्न अधिशेष की स्थिति उत्पन्न हुई। साथ ही पशुपालन आधारित उद्योगों में माँस, डेयरी व वस्त्र उद्योगों को बढ़ावा मिला।

⑤ कार्टराइट व आर्कराइट के द्वारा वस्त्र उद्योग के क्षेत्र में शक्ति चालित मशीनों का निर्माण किया।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(6) कृषि क्रांति से अधिशेष कृषि व समृद्ध जमींदार वर्ग का निर्माण हुआ। इस कारण भी इंग्लैण्ड में कृषि क्रांति सफल हुई।

(7) कृषि क्रांति के कारण इंग्लैण्ड का निर्यात बढ़ा तथा आयात में कमी के कारण पूंजी अधिशेष सामने आया।

(8) कृषि क्रांति के कारण परिवहन व उत्पादन के साधनों का मशीनीकरण हुआ तथा औद्योगिक क्रांति सफल हुई।

अन्य कारण

- इंग्लैण्ड की भौगोलिक दशा
- वैज्ञानिक क्रांति
- विशाल औपनिवेशिक साम्राज्य
- कारखाना प्रणाली व आधुनिक विचार आधारित शासन प्रणाली

निष्कर्षतः इंग्लैण्ड की औद्योगिक क्रांति में कई कारकों की भूमिका थी लेकिन कृषि क्रांति ने आगे की गतिविधियों के लिए आधार का कार्य किया।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(d) 19वीं शताब्दी में यूरोप में राष्ट्रवाद के उदय के कारकों की चर्चा कीजिये।

Discuss the factors that led to the rise of nationalism in Europe in the 19th century.

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

राष्ट्रवाद एक सांस्कृतिक विचार है जो किसी विशेष पहचान के साथ-साथ भौगोलिक एकीकरण पर भी बल देता है

राष्ट्रवाद का उदय

① वेस्टफेलिया की संधि द्वारा राष्ट्र राज्य की अवधारणा पर बल दिया था। इस कारण 19वीं शताब्दी में आकर राष्ट्रवाद का विकास हुआ।

② फ्रांस की क्रांति, पुनर्जागरण-प्रबोधन तथा अमेरिकी क्रांति के विचारों द्वारा भी राष्ट्रवाद का विकास किया।

③ प्रशा व इटली के क्षेत्र के नियंत्रण के प्रतिक्रियास्वरूप इन क्षेत्रों में राष्ट्रवाद का उदय हुआ तथा इनका एकीकरण हुआ।

④ वियना व्यवस्था (1815) की प्रतिक्रियास्वरूप राष्ट्रवाद का उदय हुआ तथा 1830 व 1848 की क्रांतियाँ सामने आयी।

⑤ इस समय औद्योगिक क्रांति का विकास हो चुका था। इस कारण औद्योगिक क्रांति की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए राष्ट्रवाद का सहारा लिया गया।

⑥ साम्राज्यवाद द्वारा राष्ट्रवाद को बढ़ावा दिया तो

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

राष्ट्रवाद द्वारा साम्राज्यवाद को पोषित किया।

(7) धर्म सुधार आंदोलन के कारण भी राष्ट्रवादी चेतना का उदय हुआ।

(8) इसी राष्ट्रवादी चेतना की अभिव्यक्ति 1821 में यूनान की स्वतंत्रता, सर्बिया की स्वतंत्रता व पूर्वी संकट के रूप में हुई।

(9) साहित्य के विकास के कारण भी सांस्कृतिक एकीकरण व राष्ट्रवाद को बढ़ावा मिला।

(10) कूटनीतिक संधि प्रणाली व शस्त्रीकरण ने राष्ट्रवाद को नकारात्मक रूप से बढ़ावा दिया।

निष्कर्षत: 19वी सदी का राष्ट्रवाद कई कारकों का सम्मिलित परिणाम था जिसने राष्ट्रों के एकीकरण के साथ-साथ साम्राज्यवाद तथा विश्व युद्धों को भी बढ़ावा दिया।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(e) "फासीवाद जैव शक्तिवाद तथा धर्मनिरपेक्ष नव-आदर्शवाद जैसे नवीन सांस्कृतिक दर्शन पर आधारित था।" व्याख्या कीजिये।

"Fascism was based on new cultural philosophies such as Biological Supermacy and secular neo-idealism." Explain.

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

फासीवाद 20वीं शताब्दी में इटली व जर्मनी में उत्पन्न हुई एक विचारधारा था जिसके मूल कारणों में धर्म व नस्ल को माना जाता है।

इस विचारधारा के तहत विरोधियों के निर्मम दमन, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर प्रतिबंध तथा नस्लीय श्रेष्ठता का प्रतिपादन किया जाता है।

① जर्मनी में फासीवादी दर्शन की पृष्ठभूमि में जर्मन नस्लवाद तथा अखिल जर्मन साम्राज्य की स्थापना जैसे कारक शामिल थे।

② फासीवाद के द्वारा राष्ट्र को एक सांस्कृतिक तथा राजनैतिक आयाम के रूप में विस्तारित किया।

③ फासीवाद धार्मिक श्रेष्ठता की भी वकालत करता है।

④ फासीवाद के द्वारा आदर्श रूप में धर्मनिरपेक्ष नव आदर्शवाद को स्वीकार किया गया।

⑤ हीगेल के दर्शन पर आधारित फासीवादी शक्तियों के द्वारा धर्म पर राज्य को वरीयता प्रदान की। वस्तुतः यह दर्शन राज्य की सर्वोच्चता के सिद्धांत से परिचालित होता है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(6) फासीवाद में राजनीतिक विस्तार के लिए नस्लीय प्रभार तथा अन्य सांस्कृतिक कारकों को आधार बनाया गया।

(7) फासीवादी कारकों के उदय में आर्थिक बाधाओं, विभिन्न दार्शनिक विचारधारा, वर्साय संधि के दोषपूर्ण निर्णय, राष्ट्रवाद को भी शामिल किया जाता है।

निष्कर्षतः फासीवाद को जैव शक्तिवाद तथा धर्मनिरपेक्ष नव आदर्शवाद के साथ-साथ अन्य कारणों ने भी उदय में सहयोग प्रदान किया।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

8. (a) "अमेरिकी क्रांति आंशिक रूप से सम्राट की ओर से प्रशासन में होने वाले भ्रष्टाचार के विरुद्ध एक प्रतिक्रिया थी जिसने शाही समाज तथा कुलीन तंत्र के विशेषाधिकारों को करारा झटका दिया।" टिप्पणी कीजिये। 15

"The American Revolution was partly a reaction against the corruption caused by the emperor in administration, which gave a counterblow to the privileged of the imperial society and the elite system." Comment. 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

वणिकवादी आर्थिक नीतियों के कारण अमेरिका में ब्रिटेन के विरुद्ध क्रांति हुई तथा अमेरिका एक स्वतंत्रता संग्राम तथा क्रांति के माध्यम से 1776 में स्वतंत्र हो गया।

अमेरिकी क्रांति के कई कारण उत्तरदायी थे इनमें सम्राट के द्वारा प्रशासन में भ्रष्टाचार भी शामिल था -

(1) अमेरिकी प्रशासनिक व्यवस्था दोषपूर्ण थी अमेरिकियों को कानून निर्माण का अधिकार था लेकिन वे इस कानून का क्रियान्वयन नहीं कर सकते थे।

(2) अमेरिकी प्रशासन में भ्रष्टाचार विद्यमान था।

(3) सप्तवर्षीय युद्ध के पश्चात इस प्रवृत्ति में वृद्धि हुई। सम्राट के द्वारा आर्थिक व्यय की क्षतिपूर्ति के कर व्यवस्था को प्रभावित किया।

(4) नौपरिवहन, औद्योगिक तथा व्यापारिक कानूनों को प्रभावी रूप से लागू किया गया।

(5) सम्राट जॉर्ज III के आदेश के कारण स्टाम्प व शुगर टैक्स का आरोपण किया गया। इस कारण सम्राट द्वारा प्रशासन में भ्रष्टाचार को और अधिक

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

बढ़ावा दिया।

(6) सम्राट जॉर्ज III की नीतियाँ यथा - लॉर्ड नॉर्थ की न्याय नीति, आंतरिक व बाह्य कर प्रणाली ने प्रशासनिक व्यवस्था को शिथिल कर दिया।

(7) अमेरिकियों से बिना प्रतिनिधित्व के कर वसूलने के कारण अमेरिकी क्रांति सामने आयी।

(8) अमेरिकी क्रांति में प्रशासनिक भ्रष्टाचार के साथ-साथ स्वतंत्रता की चेतना, बौद्धिकों की भूमिका तथा सप्तवर्षीय युद्ध भी प्रभावी था।

शाही समाज तथा कुलीन तंत्र के लिए झटका

(1) अमेरिकियों की प्रकृति को ब्रिटेन द्वारा नहीं समझने की बात सामने आयी।

(2) शाही समाज के तहत उद्योगपतियों व सामंतों के हित बाधित हुए।

(3) इस क्रांति के कारण ब्रिटेन में संवैधानिक राजतंत्र का विकास हुआ तथा समाज में कुलीनता का पतन हुआ। इस कारण विशेषाधिकारों में भी कमी आयी।

(4) इस क्रांति के कारण यूरोपीय राजनीतिक व सामाजिक श्रेष्ठता की भ्रम आधारित भावना भी टूट गई।

(5) स्वतंत्रता के पश्चात अमेरिका में सामंतवाद तथा

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

वर्ग आधारित व्यवस्था का अंत किया गया तथा व्यक्ति की समानता व अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, धर्मनिरपेक्षता का अधिकार प्रदान किया गया।

निष्कर्षतः अमेरिकी क्रांति के कारणों में भ्रष्टाचार भी प्रभावी था तथा इस क्रांति ने ब्रिटेन को झटका दिया तथा संयुक्त राज्य अमेरिका का निर्माण किया।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(b) द्वितीय विश्वयुद्ध काल तक हिंद-चीन में राष्ट्रीयता की मंथर गति के कारणों को स्पष्ट कीजिये। 15

Explain the reasons for the slow pace of nationalism in Indo-China until World War II. 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

यूरोपीय राष्ट्रों के द्वारा व्यापार व औद्योगिक क्रांति की आवश्यकता के कारण दक्षिण-पूर्वी एशिया पर भी नियंत्रण किया गया।

दक्षिण-पूर्वी एशिया में 1511 में हिंद चीन पर पुर्तगालियों द्वारा अधिकार किया गया। आगे डचों के माध्यम से सत्ता फ्रांसीसियों को ~~प्र~~ प्राप्त हुई जो 1957 तक बनी रही। इस तरह राष्ट्रीयता का धीमा विकास हुआ।

कारण

① हिंद चीन क्षेत्र सांस्कृतिक आधार पर विभाजित था। अनामी व तोन्किन क्षेत्र में राष्ट्रीयता का पूर्ण विकास नहीं हुआ था।

② भारतीय व चीनी संस्कृति के समन्वय केन्द्र होने के कारण यहाँ पर सांस्कृतिक संघर्ष भी विद्यमान था।

③ प्राचीन कालीन राजतंत्रीय शोषण के कारण भी राष्ट्रवाद जैसे आधुनिक विचार का विकास नहीं हो पाया था।

④ यह क्षेत्र उपनिवेशवाद के कारण शोषण का

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

हिंद रहा फ्रांस द्वारा सैन्य नियंत्रण के आधार पर शासन किया।

⑤ यूरोपीय व आधुनिक शिक्षा की कमी के कारण भी राष्ट्रीयता की भावना विकसित नहीं हुई।

⑥ यह क्षेत्र भौगोलिक कारणों से भी गुरिल्ला आधारित संघर्ष का केन्द्र रहा तथा इस कारण राष्ट्रीयता का विकास नहीं हुआ।

⑦ पूर्व में भी इस क्षेत्र में चीन व अन्य साम्राज्यों द्वारा हस्तक्षेप किया गया था।

⑧ आगे यूरोपीय शिक्षा व राष्ट्रवादी जागरूकता के कारण औपनिवेशिक शोषण के विरुद्ध प्रतिक्रिया हुई।

⑨ हिंद चीन का क्षेत्र आगे शीत युद्ध का केन्द्र बन गया तथा इस कारण भी सैन्य तत्व ही प्रभावी रहा तथा राष्ट्रीयता का विचार आगे नहीं बढ़ सका।

⑩ हो-ची-मिन्ह के प्रयासों से हिंदचीन के द्वारा फ्रांस के विरुद्ध सहयोग किया तो बदलती वैश्विक स्थिति के कारण फ्रांस में इस क्षेत्र को छोड़ने के लिए बाध्य हो गया।

⑪ जापानी आक्रमण के कारण प्रतिक्रिया स्वरूप सामने

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

आमी राष्ट्रवादी भावना ने हिंद चीन की स्वतंत्रता में योगदान दिया।

निष्कर्षतः सांस्कृतिक, भौगोलिक व अन्य कारणों से हिन्द चीन क्षेत्र (वियतनाम, कम्बोडिया, लाओस) में राष्ट्रीयता की मंथर गति देखी जा सकती है।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(c) युद्धोत्तर यूरोप में आर्थिक पुनर्निर्माण एवं उत्कर्ष की प्रक्रिया की सविस्तार चर्चा कर इसमें संयुक्त राज्य अमेरिका की भूमिका को स्पष्ट करें। 20

Explain the role of the United States in it while a detailed discussion of the process of economic reconstruction and flourishing in post-war Europe. 20

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

द्वितीय विश्व युद्ध के पश्चात यूरोप द्वारा स्वयं के प्रयत्नों तथा अमेरिका के सहयोग से आर्थिक-सामाजिक पुनःनिर्माण का कार्य किया।

प्रक्रिया

① यूरोप के द्वारा यूरोपिय कोयला व इस्पात आयोग, यूरोपीय आण्विक ऊर्जा आयोग तथा यूरोपी आर्थिक समुदाय के माध्यम से आर्थिक पुनः निर्माण किया।

② विश्व युद्ध के पश्चात यूरोपीय राष्ट्रों द्वारा यूरोपीय समुदाय का गठन किया गया जो आगे यूरोपीय संघ के रूप में सामने आया।

③ यूरोपीय देशों के द्वारा वीजा तथा व्यापार नीति को उदार बनाया गया।

④ मैस्ट्रिच संधि (1991) के माध्यम से आर्थिक संघ व समान मौद्रिक संघ के निर्माण की बात की गई।

⑤ यूरोपीय देशों द्वारा औद्योगिक विकास के लिए परस्पर सहयोग किया गया तथा जर्मन कोयले की आपूर्ति बेल्जियम तथा फ्रांस को की गई।

⑥ इसी तरह शीत युद्ध के दौर मे पूर्वी यूरोप का

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

भी एकीकरण हुआ। सीमित तौर पर ही सही आर्थिक विकास के कारण राजनीतिक एकीकरण को बढ़ावा मिला। पूर्वी यूरोप के एकीकरण में सोवियत संघ की प्रभावी भूमिका थी।

② विश्व युद्ध के पश्चात यूरोप के द्वारा वैज्ञानिक-तकनीकी शिक्षा, औद्योगिक विकास तथा व्यापार का समर्थन किया।

अमेरिका की भूमिका

① अमेरिका द्वारा ट्रूमैन सिद्धांत व मार्शल प्लान (1948) के द्वारा यूरोप के पुनः निर्माण में सहायता की। मार्शल प्लान के तहत ग्रीस व यूनान को सहायता दी गई।

② अमेरिका द्वारा संयुक्त स्टील कम्पनी की स्थापना, प्रभावी निवेश तथा शैक्षणिक गतिविधियों को बढ़ावा दिया।

③ शीत युद्ध की आवश्यकता के तहत निर्मित नाटो के कारण यूरोपीय राष्ट्र सुरक्षा की दृष्टि से निश्चिंत हो गये तथा आर्थिक पुनर्निर्माण में ध्यान लगाया।

④ अमेरिका द्वारा संयुक्त राष्ट्र संघ में भी यूरोप के साथ एक प्रभावी गुट का निर्माण किया गया।

⑤ विश्व बैंक, विश्व व्यापार संगठन का प्रयोग भी

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

यूरोप के हितों के लिए किया गया।

⑥ अमेरिका की उपस्थिति के कारण पश्चिमी अमेरिका का राजनीतिक एकीकरण हुआ तो इस कारण समान मौद्रिक संघ व समान आर्थिक संघ की अवधारणा सामने आयी।

निष्कर्षत: विश्व युद्ध के पश्चात यूरोप का आर्थिक पुन: निर्माण एवं उत्कर्ष अमेरिकी स्वार्थ एवं साम्यवादी रूस से सैन्य सुरक्षा की आवश्यकता के दृष्टिकोण से हुआ।

Feedback

Questions ....

Model Answer & Answer Structure ....

Evaluation ....

Staff ....

Copyright – Drishti The Vision Foundation